A (Printed Pages 4)

(20320) Roll No. .....

B.A.M.S.-I Prof.

NP-5373

B.A.M.S. (Ayurveda) Main & Suppy Examination, March-2020

(Session-2018-19)

P-III : Sanskrit

(BAMS-103)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

Part-I

1. (क) संस्कृत में अनुवाद कीजिए? 2×10=20

(i) आयुर्वेद शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की चर्चा करता है।

(ii) पञ्चमहाभूत और त्रिदोष के सिद्धान्त यहाँ वर्णित हैं।

(iii) सर्वजन कल्याण की भावना ही इसका लक्ष्य है।

P.T.O.

(iv) हमें 100 वर्षों तक जीने की कामना करनी चाहिए।

(v) आयुर्वेद में इसे पूर्णायु माना गया है।

(ख) निम्न वाक्यों को शुद्ध कीजिए?

(vi) गुरूः छात्रेण प्रश्नान् पृच्छति।

(vii) आचार्यः ग्रन्थाय लिखति।

(viii) रामं मोदकाः रोचते।

(ix) वलभद्रस्य अनु कृष्णः धावति।

(x) निर्धनं धनं प्रयच्छ।

2. (क) 'संयोगान्तस्य लोपः' सूत्र का अर्थ लिखकर जश् , यर् व झल् प्रत्याहार सिद्ध करें। 5×4=20

(ख) विच्छेद कर सन्धि निर्दिष्ट करें।

इत्यादि, देवर्षिः, रामश्चिनोति, परमादरः, प्रेजते।

(ग) विग्रह करते हुए समास निर्देश करें।

मदात्ययः, निर्धनम् , यथा शक्ति, धातुवैषम्यम् ,

(घ) शब्द रूप लिखें?

बालक शब्द तृतीया विभक्ति, सर्व शब्द चतुर्थी विभक्ति, युष्मद् शब्द सप्तमी विभक्ति, फल शब्द षष्ठी विभक्ति।

(ङ) धातु रूप लिखिए?

दृश् धातु लट् लकार, पठ धातु लङ् लकार, गम् धातु लोट् लकार पृच्छ धातु लट् लकार।

3. उदाहरण पूर्वक अर्थ लिखें? 10

आदिरन्त्येन सहेता

परः सन्निकर्षःसहिर्ता,

इकोयणचि,

स्तोश्चुना श्चुः।

Part-II

4. (a) निम्न श्लोकों की व्याख्या कीजिए? 15

(i) हृदयं चेतना स्थानंमुक्तं सुश्रुत देहिनाम्
तमोऽमिभूते तस्मिस्तु निद्रा विशति देहिनाम् ।।

(ii) निद्राहेतुस्तमः स्त्वं बोधने हेतुरूच्यते।
स्वभाव एव वा हेतुर्गरीयान् परिकीर्त्यति।।

(b) उक्त श्लोकद्वय के रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखें? 10

5. सन्दर्भ सहित अर्थ लिखें? 15

(i) अग्निवेशकृते तन्त्रे चरक प्रति संस्कृते।
यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित् ।।

(ii) प्राणायामेन युक्तेन सर्व रोगक्षयो भवेत् ।
अयुक्ताभ्यास योगेन सर्वरोगस्य संभवः।।

(iii) आचारः कुलमाख्याति वपुराख्याति भोजनम् ।
वचनं श्रुतमाख्याति स्नेहमाख्याति लोचनम् ।।

6. निम्न श्लोकों में किसी **एक** को पूरा लिखकर उस पर आधारित कथा तथा उससे प्राप्त होने वाली शिक्षाएं विस्तार से लिखें? 10

(क) अतिलोभाऽभिभूतस्य चक्रं भ्रमति मस्तके।

(ख) एकबुद्धिः अहं मद्रे! क्रीडामि विमले जले।

(ग) कामार्तेनाथ मत्तेन दृष्टः स्वप्नो निरर्थकः।

(घ) उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।